

इतिह पुं. (तत्.) 1. उपदेशात्मक परंपरा के अनुसार वचन 2. परंपरा के अनुकूल वचन 3. परम्परागत विधि से सुना-सुनाया वचन।

इतिहास पुं. (तत्.) इति. 1. ज्ञान की वह शाखा जिसमें अतीत की घटनाओं और उनसे संबंधित पहलुओं का क्रमबद्ध और कालक्रमानुसार वर्णन किया जाता है 2. बीती हुई प्रसिद्ध घटनाओं और उनसे संबंध रखने वाले व्यक्तियों का कालक्रम से वर्णन। history

इतिहासकार पुं. (तत्.) इति. 1. व्यक्ति, देश, जाति, प्रजाति या कालविशेष से संबद्ध घटनाओं का क्रमबद्ध और व्यवस्थित अध्ययन कर उनका विस्तृत समीक्षात्मक वर्णन करने वाला विशेषज्ञ व्यक्ति 2. इतिहास का लेखक। historian

इतिहासज्ञ पुं. (तत्.) वह जो इतिहास का अच्छा ज्ञाता है 2. इतिहासवेत्ता, इतिहास का जानकार दे. इतिहासकार प्रयो. पं. जवाहर लाल नेहरू एक अच्छे राजनीतिज्ञ तो थे ही, अच्छे इतिहासज्ञ भी थे।

इत्तफाक पुं. (अर.) 1. संयोग, अचानक, बिना इरादा 2. सहमति 3. मेल-मिलाप, संघटन, सहयोग, इत्तिफाक।

इत्तफाकन क्रि.वि. (अर.) संयोग वश, संयोग से, अचानक, अकस्मात्।

इत्तफाकिया वि. (अर.) इत्तफाक से होने वाला, अचानक होने वाला, आकस्मिक, संयोगजन्य।

इत्तिला स्त्री. (तत्.) दे. इत्तिला।

इत्तिफाक पुं. (अर.) 1. आपस में मिलकर एक होने या मिले हुए होने की अवस्था या भाव, एकता 2. मत, विचार आदि के क्षेत्र में एकता, मतैक्य 3. मैत्री, दोस्ती 4. संयोग, दैवयोग, अचानक उपस्थित होने वाला अवसर अथवा ऐसे अवसर पर घटित होने वाली घटना या बात 5. अचानक हुई घटना।

इत्तिलानामा पुं. (अर+फा.) किसी को भेजा जाने वाला वह पत्र जिसमें कोई इत्तिला या सूचना दी गई हो, सूचना पत्र।

इत्तिहाद पुं. (अर.) आपस की एकता या मेल-जोल प्रयो. इस गाँव में सभी मजहबों के लोगों में हमेशा से इत्तिहाद रहा है।

इत्थम् क्रि.वि. (तत्.) इस प्रकार से, ऐसे, यों, प्रस्तुत विधि के अनुसार।

इत्मीनान पुं. (अर.) 1. विश्वास, यकीन, भरोसा, आस्था 2. समाधान, संतुष्टि, हल 3. शांति।

इत्यादि अव्य. (तत्.) [इति+आदि] 1. इसी प्रकार, और भी 3. वगैरह।

इत्र पुं. (अर.) 1. वाष्पनक्रिया से संगृहीत पुष्प-गंध 2. सुगंध, खुशबू प्रयो. चंदन के इत्र की गंध बहुत मोहक होती है।

इत्रदान पुं. (अर.) इत्र रखने का पात्र दे. अतरदान।

इत्रफरोश पुं. (अर.) इत्र बेचने वाला, गंधी, अत्तार।

इत्रसाज पुं. (अर.) इत्र बनाने वाला।

इत्रीफल पुं. (तत्.) [इत्री+फल] एक आयुर्वेदिक औषधि, जो त्रिफला के चूर्ण और शहद के मेल से बनती है।

इत्वरी स्त्री. (तत्.) 1. अन्य पुरुषों से संबंध रखने वाली नारी, व्यभिचारिणी, कुलटा 2. अभिसारिका।

इथ अव्य. (तद्.) यहाँ।

इदावत्सर पुं. (तत्.) बृहस्पति की 60 वर्षीय गति में पाँच-पाँच वर्ष के 12 युग माने गये हैं इन पाँच वर्षों के वर्ग का तीसरा वर्ष इदावत्सर है। शेष के नाम हैं: 1. संवत्सर 2. परिवत्सर 3. अनुवत्सर और 4. उदावत्सर।

इधर क्रि.वि. (देश.) इस ओर, यहाँ।

इधर-उधर अव्य. (तद्.) 1. यहाँ-वहाँ 2. चारों ओर, आसपास प्रयो. इधर-उधर घूमते रहना उसका स्वभाव बन गया है मुहा. इधर-उधर करना- टाल-मटोल करना; इधर-उधर की बात-अफवाह; इधर की दुनिया उधर होना- अनहोनी बात होना, इधर-उधर की हाँकना- झूठ बोलना, गप्प मारना; इधर-का-उधर-होना- उलट-पलट होना; इधर या उधर होना- कोई एक पक्ष चुनना।